नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

गृह युद्ध की ओर बढ़ता पाकिस्तान

पीओके में जनता पर गोलियां चलाना बताता है कि आर्थिक संकट, राजनीतिक अस्थिरता और जनाक्रोश अब पाकिस्तान के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं. पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में प्रदर्शनकारियों पर पाक रेंजर्स की गोलीबारी केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने की कार्रवाई नहीं है. यह उस गहरे असंतोष का विस्फोट है, जो वर्षों से राजनीतिक उपेक्षा, आर्थिक बदहाली और प्रशासनिक विफलताओं के कारण भीतर-ही-भीतर सुलग रहा था. जिस देश की सरकार अपने ही नागरिकों की समस्याओं का समाधान संवाद से नहीं, बल्कि गोलियों से करने लगे, वहां लोकतंत्र की मजबूती के दावों पर स्वाभाविक रूप से प्रश्न उठते हैं.

पिछले कुछ समय से पीओके में महंगाई, बेरोजगारी, बिजली संकट, बढ़ते करों और बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर जनता लगातार आंदोलन कर रही है. स्थानीय लोगों की मांगें कोई असाधारण नहीं थीं. वे सस्ती बिजली, आवश्यक वस्तुओं पर राहत और स्थानीय संसाधनों पर अधिक अधिकार चाहते थे. यदि इन मांगों पर संवेदनशीलता से विचार किया जाता, तो हालात इस मोड़ तक नहीं पहुंचते. दुर्भाग्य से पाकिस्तान की सत्ता ने संवाद का रास्ता छोड़कर दमन का विकल्प चुना, जिसका परिणाम हिंसा और जनहानि के रूप में सामने आया.

यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान में असहमति की आवाज को बलपूर्वक दबाने का प्रयास हुआ हो. बलूचिस्तान, खैबर पख्तूनख्वा और सिंध जैसे क्षेत्रों में भी लंबे समय से स्थानीय असंतोष समय-समय पर सामने आता रहा है. अब पीओके में भी उसी प्रकार का जनाक्रोश दिखाई देना इस बात का संकेत है कि पाकिस्तान का संकट केवल आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक और संस्थागत भी बन चुका है. जब अलग-अलग क्षेत्रों में जनता का भरोसा शासन से उठने लगे, तो किसी भी राष्ट्र की स्थिरता कमजोर पड़ने लगती है.

लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव कराना नहीं है. लोकतंत्र की वास्तविक पहचान यह है कि सरकार असहमति को सुनने का साहस रखे, आलोचना को स्वीकार करे और जनता की समस्याओं का समाधान संवैधानिक तथा शांतिपूर्ण तरीकों से निकाले. निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की कमजोरी का प्रतीक माना जाएगा. इस पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और यदि कहीं मानवाधिकारों का उल्लंघन हुआ है, तो दोषियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए. दरअसल,पाकिस्तान गृहयुद्ध के मुहाने पर पहुंच गया है, देश के भीतर अस्थिरता तेजी से बढ़ रही है. आर्थिक संकट, राजनीतिक ध्रुवीकरण, आतंकवाद, सेना और राजनीतिक नेतृत्व के बीच अविश्वास तथा विभिन्न प्रांतों में बढ़ता जनाक्रोश मिलकर ऐसी परिस्थितियां बना रहे हैं, जिनसे निपटना पाकिस्तान के शासकों के लिए मुश्किल साबित हो रहा है.

भारत के लिए भी यह घटनाक्रम महत्वपूर्ण है. पड़ोसी देश की अस्थिरता का असर सीमा सुरक्षा, आतंकवाद और क्षेत्रीय शांति पर पड़ सकता है. इसलिए भारत को पूरी सतर्कता बनाए रखते हुए अपनी सुरक्षा तैयारियों को मजबूत रखना होगा. साथ ही अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में मानवाधिकारों की स्थिति और वहां के नागरिकों की वास्तविक समस्याओं को तथ्यात्मक ढंग से उठाने का प्रयास भी जारी रखना चाहिए .इतिहास बताता है कि बंदूकें सत्ता को कुछ समय के लिए बचा सकती हैं, लेकिन जनता का विश्वास नहीं जीत सकतीं. यदि पाकिस्तान इस मूल सत्य को नहीं समझता, तो पीओके की घटनाएं उसके लिए कहीं बड़े संकट का संकेत साबित हो सकती हैं.

पीएम मित्र पार्क

टेक्सटाइल क्षेत्र की बदल रही है तस्वीर

पबित्रा मार्गेरिटा

> यह व्यापक ढ़ांचागत प्रयास वस्त्र क्षेत्र के महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण 2030 के लिए एक अहम लॉन्चपैड का काम करता है, जिसका लक्ष्य इस दशक के अंत तक भारत के वस्त्र उद्योग को 350बिलियन डॉलर की वैश्विक महाशक्ति में बदलना है. ऐतिहासिक विखंडन को विश्व स्तरीय, एकीकृत पैमाने से बदलकर करके, पीएम मित्र एक बड़ा संरचनात्मक परिवर्तन ला रहा है. सशक्त नेतृत्व के मार्गदर्शन में, हम भारत को वस्त्रों के निर्विवाद, टिकाऊ और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी केंद्र के तौर पर स्थापित कर रहे हैं.

सदियों से, भारत की पहचान उसके परिधानों से गहराई से जुड़ी रही है. चाहे वह कश्मीर के पश्मीना की लंबे समय तक रहने वाली गर्माहट हो, असम के मूंगा सिल्क की सुनहरी चमक हो, तमिलनाडु की शाही कांजीवरम साड़ियाँ हों, चंदेरी की बुनाई हो या सूरत के कारीगरों की कपड़ों पर मशहूर कारीगरी. आज भी यह क्षेत्र हमारी अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ बनकर खड़ा है, जो जीडीपीमें 2.3 प्रतिशत, औद्योगिक उत्पादन में 13 प्रतिशत और निर्यात में 12 प्रतिशत का योगदान देता है. खेती के बाद भारत में सबसे ज़्यादा रोज़गार देने वाला यह क्षेत्र 45 मिलियन लोगों को सीधे तौर पर और 100 मिलियन से ज़्यादा लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोज़गार देता है. इससे ग्रामीण समुदायों को मजबूती मिलती है और देश भर में लाखों महिलाओं के लिए आर्थिक आज़ादी का रास्ता खुलता है।

वैश्विक प्रतिस्पर्धियों के एक साथ जुड़ी हुईव्यवस्था के उलट, भारत की वस्त्र मूल्य श्रृंखला ऐतिहासिक रूप से अलग-अलग जगहों पर फैले हुए मॉडल के तौर पर विकसित हुई. कताई, बुनाई, प्रोसेसिंग, कपड़े सिलने और निर्यात जैसी गतिविधियाँ अलग-अलग राज्यों में स्वतंत्र रूप से विकसित हुईं, जिसका अर्थ था कि एक कपड़ा बनने के दौरान अक्सर कई राज्यों की सीमाओं से गुज़रता था. इस बिखराव के कारण कई संरचनात्मक बाधाएँ पैदा हुईं. इसने बड़े पैमाने पर काम करने, आधुनिकीकरण, ऑटोमेशन और आखिरकार मज़दूरों की उत्पादकता को सीमित कर दिया।

इसके साथ ही, मल्टी-मॉडल संपर्क में कमियों की वजह से लॉजिस्टिक्स का बोझ भी बढ़ जाता है. प्रोडक्शन के अलग-अलग चरणों के बीच हर बार सामान को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने या संभालने में अतिरिक्त खर्च और ढुलाई का किराया लगता है. कई चरणों में लंबी दूरी तक सामान को एक जगह से दूसरी जगह भेजने से कुल लॉजिस्टिक्स लागत बढ़ जाती है और सामान को तेज़ी से बाज़ार तक पहुँचाने की क्षमता खत्म हो जाती है, जो आज की रिटेल व्यवस्था में बार-बार ऑर्डर देने वाले साइकल में एक बहुत बड़ी और नुकसानदायक कमी है।

वर्तमान में पर्यावरण से जुड़ी ज़रूरतों पर भी ध्यान देने की ज़रुरत है. दुनिया भर में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में वस्त्र उद्योग की हिस्सेदारी 8 प्रतिशत से 10 प्रतिशत और औद्योगिक जल प्रदूषण में 20 प्रतिशत है. हज़ारों छोटी-छोटी और अलग-अलग जगहों पर फैली इकाइयों में नियमों को लागू करना और सही तरीके से प्रबंधन करना पहले एक बड़ी प्रशासनिक चुनौती रहा है।

इन रुकावटों को व्यवस्थित रूप से दूर करने के लिए, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अक्टूबर 2021 में पीएममेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल (पीएम मित्र) योजना शुरू की, जिसके लिए ?4,445 करोड़ का बजट रखा गया. यह एक अहम कदम था, जो एक ऐसा व्यापक मॉडल पेश करता है, जिसमें केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, उद्योगों से जुड़े लोगों और निजी साझेदारों के साथ मिलकर विकास को आगे बढ़ाती है।

इस योजना के केंद्र में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का दूरदर्शी %5एफ% फ़ॉर्मूला है यानी फ़ार्म (खेत) से फ़ाइबर (रेशा) से फ़ैक्टरी (कारखाना) से फ़ैशन और फारेन (विदेश) तक पहुंच. यह सोच सीधे तौर पर उस बात को सामने लाती है, जो भारत को वैश्विक मंच पर अलग बनाती है- हमारी संपूर्ण और बेहद विविध मूल्य श्रृंखला. कच्चे माल के आयात या सिर्फ तैयार कपड़ों की बनावट पर निर्भर रहने वाले दूसरे देशों के उलट, भारत वस्त्रों को बनाने की पूरी प्रक्रिया में शामिल है, जिसमें किसानों के खेतों से लेकर हाई-फ़ैशन रनवे तक की प्रक्रिया शामिल है. इस अनोखी समझ की वजह से, हमारी विकास रणनीति को वैश्विक प्रतिस्पर्धा और पूरी तरह से सामाजिक समानता के बीच एक खास संतुलन बनाने की ज़रुरत है. विस्तार करते समय, हमें हर क्षेत्र के कल्याण का ध्यान रखना होगा, ताकि साधारण किसान और ग्रामीण बुनकर से लेकर कपड़े के निर्यातक तक, कोई भी पीछे न छूटे. पीएम मित्र फ्रेमवर्क इसी संतुलन को हासिल करता है। इन पार्कों को कच्चे माल के मुख्य केंद्रों के पास रणनीतिक रूप से बनाने से ट्रांसपोर्ट का खर्च कम होता है और निर्माण के लिए बिना रुकावट आपूर्ति सुनिश्चित होती है.

(लेखक केंद्रीय वस्त्र राज्य मंत्री हैं. व्यक्त किए गए विचार व्यक्तिगत हैं.)

दिल्ली डायरी

चुनावी समर में उतरे पीके

प्रवेश कुमार मिश्र

चुनावी रणनीतिकार व जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार के बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र में हो रहे उपचुनाव में बतौर उम्मीदवार उतरकर सबको चौंका दिया है. भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन द्वारा इस्तीफा दिए जाने के बाद खाली हुए इस सीट को भाजपा का गढ़ माना जाता है. चर्चा है कि पीके ने सोची समझी रणनीति के तहत राजधानी पटना के सबसे पढे लिखे मतदाताओं के बीच उतरकर न सिर्फ भाजपाई रणनीतिकारों के माथे पर पसीना ला दिया है बल्कि भविष्य की राजनीति को ध्यान में रखते हुए दूर का संदेश देने का प्रयास किया है. यदि वे इस समर से विजयी होकर लौटते हैं तो इससे भाजपा को कड़ा झटका लगेगा और इसका सीधा असर राष्ट्रीय राजनीति के समीकरण पर पड़ेगा. क्योंकि इस समय जनसुराज यानी पीके की पार्टी के पास खोने के लिए कुछ नहीं है. इसलिए भाजपाई रणनीतिकार इस चुनौती को हल्के में नहीं ले रहे हैं बल्कि एक विधानसभा के लिए नेताओं की बड़ी टीम उतारने को लेकर दिल्ली में रणनीति बनाई जा रही है.

मध्यप्रदेश कांग्रेस के अंतर्कलह पर हाई कमान की नजर

मध्यप्रदेश कांग्रेस में आरंभ हुआ शीतयुद्ध सुलझने के बजाय उलझने लगा है. प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के बीच मुद्दा विशेष को लेकर सामने आया मतांतर गुटबाजी का स्वरूप लेने लगा है. हालांकि दोनों पक्षों की ओर से सबकुछ ठीक होने का दावा किया जा रहा है लेकिन अंदरखाने वरिष्ठ नेताओं बनाम युवा का अंतर्द्वंद्व धीरे धीरे सुलग रहा है. ऐसा नहीं है कि इस तरह की राजनीतिक हलचल से पार्टी का केन्द्रीय नेतृत्व बेखबर है. बल्कि पार्टी हाईकमान इस मुद्दे पर पैनी नजर लगाए हुए है. अभी तक संकेतों के माध्यम से संदेश दिया जा रहा है लेकिन चर्चा है कि जल्द ही पार्टी रणनीतिकार किसी वरिष्ठतम नेता को भोपाल भेजकर इसे सुलझाने का प्रयास करेंगे.

राममंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर सीधे बोलने से बच रहे हैं भाजपाई

अयोध्या राम मंदिर चढ़ाव चोरी मामले में जहां एक तरफ पुलिस और एसआईटी की जांच कानूनी तथ्यों के साथ आगे बढ़ रही है वहीं दूसरी ओर ट्रस्ट द्वारा चंपत राय व अनील मिश्रा का इस्तीफा स्वीकार कर व्यवस्था को दुरूस्त करने का प्रयास किया जा रहा है. लेकिन इन सबके बीच संघ की ओर से नपे-तुले शब्दों में बयान आने के बाद भी भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं द्वारा सीधे तौर पर इस प्रकरण से दूरी बनाना चर्चा का विषय बना हुआ है. राजनीतिक हल्कों में चर्चा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत वरिष्ठ मंत्री व भाजपा के वरिष्ठतम नेताओं ने एक सोची-समझी रणनीति के तहत खुलकर बोलने से परहेज़ किया है. चर्चा है कि संसद के मानसून सत्र के पहले राज्य सरकार द्वारा बनाई गई एसआईटी व पुलिस जांच का ज्यादातर हिस्सा सार्वजनिक हो जाएगा. उसके बाद यदि जरूरत पड़ी तो सरकार अपना रूख स्पष्ट करेगी.

पंजाब में आप को घेरने में जुटे कांग्रेसी व भाजपाई

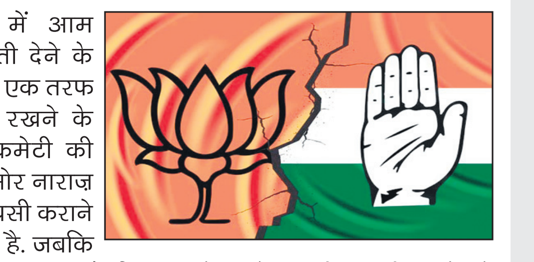

पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को कड़ी चुनौती देने के उद्देश्य से कांग्रेस पार्टी ने जहां एक तरफ वरिष्ठ नेताओं को एकजुट रखने के प्रयास के तहत एक बड़ी कमेटी की घोषणा कर दी है वहीं दूसरी ओर नाराज़ नेताओं को मनाने कर पुनर्वापसी कराने का प्रयास तेज कर दिया गया है. जबकि भाजपाई रणनीतिकारों ने पंजाब फतह के लिए सबसे पहले स्थानीय समीकरणों को साधते हुए विभिन्न दलों के नाराज वरिष्ठ नेताओं को जोड़ने का प्रयास आरंभ किया है. इतना ही नहीं भाजपाई रणनीतिकार अपने पूर्व सहयोगी अकाली दल से भी चुनावी गठबंधन की बातचीत कर रहे हैं. यानी आम आदमी पार्टी को चुनावी शिकस्त देते हुए सत्ता से बेदखल करने के लिए कांग्रेस व भाजपा विशेष रणनीति के साथ आगे बढ़ रहे हैं. जबकि आप अपने कुनबे को बचाने के लिए मशक्कत कर रही है.

साजिश के तहत सोनम को मिली थी जमानत

इंदौर के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में आरोपी सोनम रघुवंशी को 28 अप्रैल 2026 को शिलांग जिला एवं सत्र न्यायालय ने उसकी चौथी जमानत याचिका स्वीकार करते हुए जमानत दे दी. यह भी कहा गया कि वह शिलांग में ही रहेगी और मुकदमे की सुनवाई में उपस्थित होगी. लेकिन 28 अप्रैल 2026 की यह जमानत तब तक देशभर में सुर्खियां नहीं बनीं, जब तक ठीक वैसे ही एक और हत्याकांड को पुणे के पास लोनावला में अंजाम नहीं दे दिया गया. इससे साफ पता चलता है कि केतन अग्रवाल की हत्या ने देश को झकझोर करके रख दिया है जिस कारण फिर से सोनम रघुवंशी कांड सबके दिलोदिमाग में ताजा हो गया है. हालांकि जमानत का मतलब बरी होना नहीं है. लेकिन किसी चर्चित आपराधिक मामले में जैसे ही अदालत किसी आरोपी को जमानत देती है, तो समाज का एक बड़ा तबका दो हिस्सों में बंट जाता है. एक हिस्सा मान लेता है कि अब तो आरोपी बच ही निकला जबकि दूसरा इसे निर्दोष होने का प्रमाण समझने लगता है. सोनम रघुवंशी मामले में यह जमानत रहस्यमय ढंग से मिली मालूम हो रही है. इसे पुलिस के कामकाज पर टिप्पणी की तरह देखा जा रहा है. शिलांग की जिस जिला एवं सत्र अदालत से फैसला आया था, उसको लेकर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार किया है कि गिरफ्तारी के समय पुलिस ने संवैधानिक और वैधानिक प्रक्रियाओं का पूरी तरह से पालन नहीं किया. सोनम रघुवंशी को मिली जमानत का मुख्य आधार यह था कि पुलिस ने अदालत को गिरफ्तारी के सही कारण नहीं बताए.

गिरफ्तारी से जुड़े दस्तावेजों में गंभीर खामियां थीं. मसलन हत्या से संबंधित सही धारा (बीएनएस की धारा 103 (1)) की जगह कई दस्तावेजों में धारा 403 (1) लिखी गई थी और अब इसे टाइपिंग की मामूली गलती माना जा रहा है. लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसे केवल टाइपिंग की गलती मानने से मना कर दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने 3 जुलाई 2026 को मेघालय सरकार द्वारा विशेष अनुमति याचिका दायर करने पर भी जमानत रद्द करने की मांग को नहीं माना. सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में कहा कि हाईकोर्ट के फैसले पर हमें कुछ आपत्तियां तो हैं, लेकिन चूंकि आरोपी सोनम जेल से बाहर आ चुकी हैं, इसलिए अब हम उसकी जमानत पर रोक नहीं लगाएंगे.

-वीना गौतम

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

स्मोकिंग छोड़कर खुश हैं मेलोनी अब खाती हैं चाकलेट

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, खास बात यह है कि दुनिया सिगरेट पीना छोड़ रही है. एक समय ऐसा आएगा, जब लोग कैंची, पासिंग शो, कैप्सटन, ब्रिस्टल, पनामा, चारमीनार, फोर स्क्वेयर जैसे सिगरेट ब्रांड के नाम भूल जाएंगे.' हमने कहा, 'सिगरेट के इतने नाम बताने की जरूरत नहीं है. ग्रामीण लोग व मजदूर आम तौर पर बीड़ी पीते हैं, जो तेंदुपत्ता से बनाई जाती है. बीड़ी हो या सिगरेट, उससे कैंसर होने का खतरा बना रहता है. इसका हर कश इंसान की आयु को कम करता है. उसके फेफड़े खराब हो जाते हैं.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, पिछले दिनों जी-7 देशों के राष्ट्राध्यक्षों की बैठक में इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि उन्होंने पिछले महीने स्मोकिंग छोड़ दी है. इसके लिए उन्हें लोगों की तारीफ मिली. धूम्रपान की लत लग जाने के बाद उसे छोड़ना आसान नहीं है. पता नहीं मेलोनी ने कैसे इससे छुटकारा पाया?' हमने कहा, 'आप इतना भी नहीं जानते! प्रधानमंत्री मोदी ने मेलोनी को मेलोडी चॉकलेट भेंट की. इसे खाने से उनकी सिगरेट की तलब दूर हो गई. मेलोडी खाओ, खुद जान जाओ. यह मत पूछना कि मेलोडी इतनी चॉकलेटी क्यों है?'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, एक जमाने में अमेरिका की टाइम और न्यूजवीक जैसी पत्रिकाओं में मार्लबरो सिगरेट का विज्ञापन छपा करता था, जिसमें घोड़े पर सवार एक काउबॉय दिखाया जाता था और स्मोकिंग को मर्दानगी का प्रतीक माना जाता था. उस मॉडेल की कैंसर से मौत के बाद सिगरेट के पैकेट पर वैधानिक चेतावनी छापी जाने लगी.' हमने कहा, 'भारत में हुक्का, चिलम पीने का रिवाज रहा है. विंस्टन चर्चिल और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री वसंतराव नाईक पाइप में तंबाकू भरकर पिया करते थे. क्यूबा के तानाशाह फिडेल कैस्ट्रो हवाना सिगार पीते थे जिसे बार-बार लाइटर से सुलगाना पड़ता था. भारत के शहरों में आज भी हुक्का पार्लर चलते हैं. जॉर्ज सिक्स्थ जब 18 वर्ष के हुए तो उनके पिता पंचम जॉर्ज ने उन्हें सिगरेट केस भेंट किया था और कहा था कि अब तुम बालिग हो गए हो. स्मोकिंग शुरू कर सकते हो. बाद बाद में जॉर्ज षष्टम की मौत कैंसर से हुई वह महारानी एलिजाबेथ के पिता थे.'

हमने कहा, 'सिगरेट बनाने वाली इंडियन टोबैको कंपनी (आईटीसी) अब आटा बेचने लगी है. चिंता का इलाज स्मोकिंग नहीं है. इसलिए यह गाना बंद कीजिए हर फिक्र को धुएं में उड़ाता चला गया !'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12312

- डॉ. सागर खादीवाला

1		2	3		4		5
		6					
7	8				9	10	
11			12	13			
	14	15				16	17
18		19			20		
21	22			23		24	
25				26			

बाएं से दाएं

1.पांच भुजा वाली आकृति, पांच कोण वाला (सं.) 4. राहगीर, यात्री, मुसाफिर (सं.) 6. नगर में रहने वाला, नगरवासी 7. सुगंधित फूलों का एक वृक्ष 9. प्रत्याशा, कामना, कामेच्छा (सं.) 11. इंसाफ 12. गाव तकिया, धनिकों के बैठने की गद्दी 14. नया-नया आया हुआ (सं.) 16. गीलापन, सीलन, आर्द्रता. 19. पत्रादि पहुंचाने वाला दूत, पत्रवाह 21. शिकायत, उलाहना 23. रक्षा करने वाला, पहरेदार 25. छोटा कड़ाहा 26. जिसे समझ न हो, निर्बुद्धि

ऊपर से नीचे

1. पुराणानुसार पांच स्त्रियां- अहिल्या, द्रोपदी, कुंती, तारा और मंदोदरी जो विवाहित होने पर भी कन्या रहीं 2. बड़े सिक्कों को छोटे सिक्कों में परिणित करना 3. जगमग 4. घी में तलकर बनाया हुआ खाद्य पदार्थ 5. व्यापार-उद्यम से पैसा पैदा करना, संचय करना 8. चुनने का कार्य, चुनाव 10. घर, मकान, सभा का अधिवेशन स्थल (सं.) 13. आदर या सत्कार करना 15. प्रशंसा करना, बहुत लोगों का वाह-वाह शब्द कहना 17. मछली, एक राशि (सं.) 18. आसक्त, प्रेमी 20. दैत्य, असुर (सं.) 22. चूड़ी की तरह का हाथ या पैर में पहनने का गहना, लोहा का कुंडा, दुष्कर, कठिन 24. अल्प, थोड़ा

Solution 12311

क	म	ला	स	न		अ	ब
ल	क्का		गु		प	रि	धि
दा		र	ण	भे	री		र
र		क्त		दी	क्षा		ता
	आ	कं	ठ		मू	ली	
शा	य	द		कि	ल	क	ना
सि	त		स	वा	क		गि
का		जु	गा	ड़		फे	न

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में अत्याधिक परिश्रम के बाद आंशिक सफलता मिलेगी. मित्र के कारण विवाद होंगे. मान सम्मान के प्रति सचेत रहें. मन खिन्न रहेगा. वर्ष के मध्य में घरेलू कार्यो में रूचि रहेगी. बैचारिक वाद विवाद होगा. सत्संग से मन शांत रहेगा. वर्ष के अन्त में राजनैतिक मित्र का सहयोग प्राप्त होगा. व्यवसाय में वृद्धि होगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को व्यापारिक कार्यो में मन लगेगा. राजनैतिक कार्यो में सावधानी व सतर्कता से कार्य करें. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को बैचारिक वाद विवाद होगा. सत्संग से मन शांत रहेगा. व्यवसाय में वृद्धि होगी. कर्क राशि के व्यक्तियों को घरेलू कार्यो में रूचि रहेगी. सिंह राशि के व्यक्तियों को परिश्रम के बाद सफलता मिलेगी. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों का मन चिंतित रहेगा. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को विशेष परिश्रम होगा. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को यथेष्ठ सतर्कता बांछनीय.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक निडर तथा परिश्रमी होगा. आय के एक से अधिक साधन उपलब्ध होंगे. संगीत कला और धार्मिक कार्यो में इनकी अच्छी रूचि रहेगी. माता पिता को हमेशा सुखी रखेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

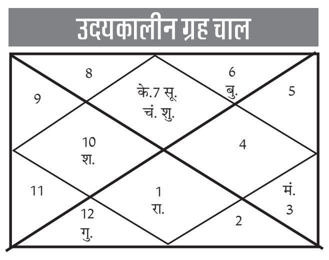

पंचांग

रा.मि. 17 संवत् 2083 आषाढ कृष्ण अष्टमीं बुधवासरे दिन 7/16, रेवती नक्षत्रे दिन 12/0, अतिगण्ड योगे दिन 9/36, कौलव करणे सू.उ. 5/15, सू.अ. 6/45, चन्द्रचार मीन दिन 12/0 से मेष, पर्व- शीतलाष्टमीं व्रत, शु.रा. 1,3,4,7,8,11 अ.रा. 2,5,6,9,10,12 शुभांक- 3,5,9.

मेष- कामकाज की धीमी गति से अधिकारी व्यथित होंगे. नए संपर्को से कार्यो में नई दिशा आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी. संतान के मामलों में व्यय होगा.

वृषभ- आर्थिक मामलों की अनदेखी से नुकसान हो सकता है. स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सजग रहें. खानपान पर नियंत्रण रखें. निजी दायित्वों की पूर्ति होगी.

मिथुन- भौतिक सुख सुविधाओं पर बड़े खर्च की संभावना है. युवा अच्छी सफलता अर्जित करेंगे. पारिवारिक जीवन में जिम्मेदारियों का अनुभव होगा.

कर्क- शीघ्रता में अच्छी योजना शुरू होगी. कडी मेहनत करके बड़ी सफलता मिलेगी. सामाजिक कार्यो में रूचि रहेगी. प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. मनः स्थिति संतुलित रहेगी.

सिंह- विपरीत विचारधारा के लोगों का साथ करने से नुकसान होगा. जीविका के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. पारिवारिक निकटता बढ़ेगी. सम्मान में यथोचित वृद्धि होगी.

कन्या- कार्य योजना व नजरिये में बदलाव करके अच्छी सफलता मिलेगी. जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा. ऐसा कार्य बनेगा, जिससे आपको संतोष प्राप्त होगा.

तुला- सेहत पर ध्यान दें, आय के नए साधन मिलने से आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. व्यवसायिक दायित्वों की पूर्ति होगी. पारिवारिक कार्यो में लगन व निष्ठा रहेगी.

वृश्चिक- लंबित मामले सुलझने के आसार हैं. योजनाओं के आकार देने में सफलता मिलेगी. स्वयं की सूझबूझ से लिये गये निर्णय सार्थक होंगे.

धनु- प्रापर्टी संबंधी विवाद हल होगा. विरोधियों से बचकर रहें. काई मांगलिक कार्य संपन्न होगा. पारिवारिक वातावरण में प्रसन्नता रहेगी.

मकर- प्रियजन के संबंध मेंशुभ समाचार मिलेंगे. अनुभवी लोगों का साथ सफलता देगा. कोई शुभ कार्य बनेगा. पद प्रतिष्ठा एवं धन की प्राप्ति होगी.

कुम्भ- मन ही मन किसी बात को लेकर परेशान हो सकते हैं, आपके कार्यो में निखार आयेगा. लिये गये निर्णय में सतर्कता बांछनीय है. योजनाओं में प्रगति होगी.

मीन- आपके रूखे व्यवहार से करीबी लोग नाराजहो सकते है. संतान के कार्यो में सफलता सुख और संतोष का अनुभव होगा. आशा से अधिक कार्यो में सफल होंगे.

व्यापार भविष्य

आषाढ कृष्ण अष्टमीं को रेवती नक्षत्र के प्रभाव से गेहूँ, गुड़ खांड, शक्कर, लालमिर्च, आदि में तेजी का रूख रहेगा. नये वस्तुओं में पिछली चाल चलेगी. आज जिन वस्तुओं में तेजी का रूख रहे, उसी में मंदी होगी. भाग्यांक 1776 है.

SUDOKU 7444

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7443

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1